मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 ■ अंक : 268 ■ मंगलवार 20 जनवरी 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

epaper.ulhasvikas.com

अच्छा-खराब जो हूं डंके की चोट पर हूं -पवन सिंह

उल्हासनगर में होगा शिवसेना का महापौर

22 जनवरी को महापौर आरक्षण

वंचित के दोनों नगरसेवकों ने दिया शिवसेना को समर्थन

- अपक्ष नगरसेविका का शिवसेना में प्रवेश
- शिवसेना ने बहुमत के आंकड़े को किया पार
- भाजपा अब सेना के साथ युति बनाने की फिराक में

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका में सत्ता का समीकरण शिवसेना ने बिठा लिया है। 78 सीटों के लिए 40 के बहुमत के आंकड़े को शिवसेना ने पार कर लिया है क्योंकि पैनल 18 से वंचित बहुजन आघाडी के जीते हुए दो नगरसेवकों ने अपना समर्थन शिवसेना को दे दिया है। वहीं पैनल 12 से अपक्ष नगरसेविका सविता तोरणे रगडे ने शिवसेना में औपचारिक रूप से प्रवेश कर लिया है। शिवसेना की सहयोगी पार्टी साई पक्ष के एक मात्र पैनल 16 से जीती नगरसेविका दीप्ति दुधानी ने भी अपना समर्थन शिवसेना को दिया है। ऐसे में 36 सीटों पर जीती शिवसेना के पास अब चार नगरसेवकों के समर्थन के साथ सत्ता बनाने का रास्ता साफ हो गया है। अब 22 जनवरी को महापौर का आरक्षण तय होने के बाद महापौर पद के दावेदार सामने आएंगे। फिलहाल शिवसेना की सत्ता तय है और भाजपा अब सत्ता में आने के लिए उत्सुक नजर आ रही है।

वंचित बहुजन आघाड़ी से चुने गए दो नगरसेवकों ने शिवसेना को ऑफिशियल सपोर्ट करने का ऐलान कर दिया है, इसलिए BJP को विपक्ष में बैठना पड़ेगा। इस सपोर्ट से शिवसेना की संख्या 40 हो जाएगी।

15 जनवरी को हुए उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए गए थे। इन नतीजों में शिंदे ग्रुप की शिवसेना और BJP के बीच सीधी टक्कर थी। दोनों पार्टियों ने 37-37 सीटें जीतीं और बराबर संख्या में पहुंच गईं। इसलिए, वंचित और कांग्रेस पार्टियों के कॉर्पोरेटर सरकार बनाने के लिए किंगमेकर थे। लेकिन, कांग्रेस को साथ लेने पर भी 40 की संख्या काफ़ी नहीं होती। कांग्रेस को साथ लेना नैतिक रूप से सही नहीं था। नतीजतन, वंचित बहुजन अघाड़ी निर्णायक स्थिति में आ गई। पहली बार मनपा में शामिल हुई वंचित बहुजन आघाड़ी किंगमेकर बन गई।

इसी पृष्ठभूमि में, वंचित बहुजन आघाड़ी के पार्षद विकास खरात और सुरेखा सोनावणे ने मुंबई में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके घर पर मुलाकात की और शिवसेना को समर्थन का पत्र सौंपा। इस मुलाकात के दौरान कल्याण डोंबिवली के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे मौजूद थे। विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, सुनील चौधरी, पार्षद योगेश जानकर और शिवसेना प्रवक्ता राहुल लोंढे भी मौजूद थे। इन दोनों पार्षदों ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने वार्डों के समग्र विकास के साथ-साथ दलित बस्ती सुधार योजना के तहत वार्डों में रुके हुए विकास कार्यों को पूरा करने के लिए शिवसेना को समर्थन देने का फैसला किया है।

इससे पहले, निर्दलीय पार्षद सविता तोरणे ने भी शिवसेना को समर्थन देने की घोषणा की थी। इसलिए, शिवसेना की संख्या बल निर्णायक स्थिति में पहुंच गई है। इस बीच, MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने सावधानी बरतते हुए वंचित के नगरसेवकों को बांटने की राजनीति से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिया था। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि इन कदमों ने शिवसेना के लिए सरकार बनाने का रास्ता साफ कर दिया है। वंचित बहुजन आघाड़ी के दो नगरसेवकों और एक निर्दलीय के समर्थन से अब यह पक्का हो गया है कि शिवसेना उल्हासनगर मनपा में सरकार बनाएगी।

यह साफ हो गया है कि वह BJP के खिलाफ बैठेगी और कांग्रेस का भी एक नगरसेवक मनपा में चुना गया है। शिवसेना भरोसा जता रही है कि सरकार बनने के बाद शहर में विकास के कामों में तेजी आएगी और शिवसेना अब उल्हासनगर की राजनीति में एक मजबूत मौजूदगी बना चुकी है।

उल्हासनगर मनपा के पैनल 7 में विजयी युवा उम्मीदवार प्रसिद्ध वास्तुविशारद दुर्गा प्रसाद राय ने अपने साथियों के साथ सांसद श्रीकांत शिंदे से मुलाकात की। उनके साथ ओमी कालानी, पंचम कालानी, सुमीत चक्रवर्ती व अजित माखीजानी नजर आ रहे हैं। दुर्गा प्रसाद राय ने पहली बार में ही मनपा चुनाव जीतकर यह बता दिया है कि लोगों को नए चेहरे व युवा नेताओं से बहुत सारी उम्मीदें हैं।

27 करोड़ रुपये की ड्रग्स ज़ब्त

- अंतरराज्यीट रैकेट का पर्दाफ़ाश
- 5 आरोपी गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे पुलिस ने मुंब्रा में 27 करोड़ 21 लाख 77 हज़ार 750 रुपये की ड्रग्स ज़ब्त की। पुलिस ने यह कार्रवाई मध्य प्रदेश जाकर की। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी आदतन अपराधी हैं।

मुंब्रा पुलिस ने ड्रग्स बेचने और इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ़ कार्रवाई शुरू की थी। इसी के तहत, मुंब्रा पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अनिल शिंदे को सूचना मिली कि मुंब्रा में ड्रग्स बेचे जाने वाले हैं, जिसके बाद असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर रोहित केदार और गणेश जाधव की टीम ने उनके गाइडेंस में कार्रवाई की और बिलाल हॉस्पिटल के पास बसु सैयद से 23.5 ग्राम मेफेड्रोन (MD) ज़ब्त किया। पूछताछ में पता चला कि मध्य प्रदेश के दो लोग एक बार फिर ड्रग्स बेचने आ रहे थे। इसके बाद पुलिस ने रामसिंह गुज्जर और कैलाश बलाई को हिरासत में लिया। उनके पास से 3 kg 515 ग्राम MD ज़ब्त किया गया। पता चला कि उन्होंने यह ड्रग मध्य प्रदेश में दो लोगों से लिया था।

इसके अनुसार, टीम सीधे मध्य प्रदेश पहुंची और मनोहर गुर्जर और राजू मंसूरी को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 9 kg 956 ग्राम MD जब्त किया गया। इस मामले में पुलिस ने कुल 13 kg 629.5 ग्राम MD जब्त किया, जिसकी कीमत 27 करोड़ 21 लाख 77 हजार 750 रुपये है। पुलिस ने यह भी बताया कि सभी पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चुनाव बाद बाइक सवार युवकों ने फैलाई दशहत

- उल्हासनगर-1 हरमन मोहता व दत्तावाड़ी की घटना
- कई गाड़ियों की तोड़फोड़ की
- परिसर में दहशत का माहौल
- अज्ञात युवकों पर गुनाह दाखिल

उल्हासनगर. उल्हासनगर 1 स्थित हरमन मोहता और दत्तावाड़ी इलाकों में देर रात 15 से 20 मोटरसाइकिल पर आए युवकों ने इलाके में खड़े करीब चार रिक्शा और चार चार पहिया वाहनों पर पत्थर और ईंटें फेंकी, जिससे उनके शीशे टूट गए। उन्होंने सड़क किनारे खड़े कई दो पहिया वाहनों को भी गिराकर नुकसान पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलने पर उल्हासनगर के एसीपी अमोल कोली ने तुरंत एक्शन लिया। उल्हासनगर, विठ्ठलवाड़ी और सेंट्रल पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम मौके पर भेजी गईं। पुलिस ने हालात पर काबू पाया, भीड़ को शांत किया और चश्मदीदों से जानकारी ली। मौके से CCTV और मोबाइल वीडियो फुटेज भी चेक किए गए और इकट्ठा किए गए। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और कुछ ही देर में करीब दो सौ से तीन सौ लोगों की भीड़ सड़क पर जमा हो गई। BJP के पदाधिकारी राकेश पाठक, प्रदीप भोसले, पप्पू गायकवाड़, केशव ओवालेकर और दूसरे बड़े लोग मौके पर मौजूद थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए, रात में इलाके में पुलिस सुरक्षा तैनात कर दी गई। देर रात इस मामले में औपचारिक शिकायत दर्ज की गई, और हमलावरों को ढूंढने के लिए पुलिस जांच चल रही है।

शिवसेना उबाठा के 9 नगरसेवक नॉट रिचेबल

- 2 नगरसेवक शिवसेना (शिंदे) के संपर्क में ?
- सत्ता स्थापित करने के लिए शिंदे गुट का राजनीतिक दांव

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका में चुनकर आए शिवसेना (उद्धव) के 9 नगरसेवक नॉट रिचेबल बताए जा रहे हैं। वहीं 2 नगरसेवक शिवसेना (शिंदे) के संपर्क में हैं। बतादें कि, कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका चुनाव में शिवसेना (उद्धव) के 11 नगरसेवक चुनकर आए हैं। चुनाव परिणाम के बाद उद्धव गुट के नगरसेवक मधुर म्हात्रे ने कल्याण के सांसद डा.श्रीकांत शिंदे से मुलाकात की, जिसके पश्चात राजनीतिक गलियारों में नगरसेवकों के फुटा-फूटी की चर्चा तेज़ हो गई। इसलिए शिवसेना (उद्धव) के वरिष्ठ नेताओं ने घोड़ेबाजारी से बचने के लिए अपने नगरसेवकों को अज्ञात स्थल पर पहुंचा दिया है। केडीएमसी में शिंदे को 53 और भाजपा को 50 सीटें मिली है। महापौर पद दोनों दावा कर रहे हैं। नगरसेवकों को फोड़ने के लिए राजनीतिक दांवपेंच शुरू हो गई है, इसलिए पार्टी के वरिष्ठ नेता अपने-अपने नगरसेवकों पर कड़ी नज़र रखे हुए हैं, ताकि कोई नगरसेवक पार्टी से टूटकर दूसरे दल को समर्थन ना करें।

> 11 में से 9 नगरसेवक मेरे संपर्क में हैं। दो नगरसेवक मधुर म्हात्रे और कीर्ति ढ़ोणे से हमारा संपर्क नहीं हुआ है। हमने नगरसेवकों की एक मीटिंग बुलाई है, जिसमें मधुर और कीर्ति को भी सूचना दी गई है। अगर मीटिंग में नहीं आए तो पार्टी के नियमानुसार उनपर कार्रवाई की जाएगी।
> **-शरद पाटील,** जिलाप्रमुख, शिवसेना (उद्धव)

पैनल-4 में 16 वोटों से रोमांचक जीत

- पैनल-13 में 4,701 वोटों के अंतर से सबसे बड़ी जीत दर्ज

उल्हासनगर. लोकतंत्र की जंग में इस साल उल्हासनगर ने इतिहास रच दिया। उल्हासनगर मनपा चुनाव में वोटरों ने पुराने राजनीतिक गणित पलट दिए। कोई रिकॉर्ड वोटों से जीता, कोई कुछ ही वोटों से, तो नए चेहरों ने कई दिग्गजों को हराकर सत्ता का समीकरण बदल दिया। साफ़ है कि इन नतीजों ने शहर की राजनीति की दिशा और दशा दोनों बदल दी हैं।

उल्हासनगर मनपा चुनाव के नतीजे शहर की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने वाले रहे हैं। कई वार्डों में कांटे की टक्कर रही, तो कुछ जगहों पर वोटरों ने एकतरफ़ा वोट डालकर अपना रुख साफ़ कर दिया। इन नतीजों ने यह दिखा दिया कि इस बार जाति या पार्टी की वफ़ादारी से ज़्यादा उम्मीदवारों का काम, जनसंपर्क और साख ज़रूरी हो गई।

इस चुनाव में सबसे बड़ा रिकॉर्ड प्रेरणा माखीजानी ने बनाया। उन्होंने पूरे मनपा चुनाव में सबसे ज़्यादा 7,840 वोट हासिल करके सबसे ज़्यादा वोट पाने का गौरव हासिल किया। उनकी सबसे करीबी विरोधी आयशा वढारिया को 5,487 वोट मिले, जबकि प्रेरणा मखीजानी ने 2,353 वोटों के अंतर से शानदार जीत हासिल करके अपना दबदबा साबित किया।

दूसरी ओर, कुछ वार्डों में नतीजे आखिरी समय तक हैरान करने वाले रहे। पैनल नंबर चार में, BJP की शोभा जाधव ने 3,115 वोट हासिल किए, और शिंदे ग्रुप की रूपाली म्हस्के को सिर्फ 16 वोटों के बहुत कम अंतर से हराया। यह जीत जितनी नाटकीय थी, उतनी ही यह पूरे चुनाव में सबसे कम अंतर से मिली जीत भी थी।

पैनल नंबर 13 में इसके उलट तस्वीर देखने को मिली। शिंदे ग्रुप के प्रदीप गोडसे ने 6,354 वोट हासिल करके अपनी ताकत दिखाई। प्रदीप गोडसे 4,701 वोटों के बड़े अंतर से जीते, जबकि उनकी विरोधी सुषमा घाग को सिर्फ 1,653 वोट मिले। यह जीत पूरे चुनाव में सबसे बड़े अंतर से मिली जीत थी।

41 मौजूदा और पुराने पार्षदों की हार

इस चुनाव का सबसे बड़ा पॉलिटिकल मैसेज रूलिंग पार्टी और पुराने पार्षदों को लगा करारा झटका माना जा रहा है। कुल 78 सीटों के लिए हुए इस चुनाव में 41 मौजूदा और पुराने पार्षद हार गए। इससे पता चलता है कि वोटरों ने साफ और कड़ा मैसेज दिया है कि 'सत्ता नहीं, काम चाहिए'। कुल मिलाकर, नगर निगम चुनाव सिर्फ सीटों की लड़ाई नहीं है, यह लोगों की बदलाव की चाहत का सबूत बन गया है। नए चेहरों को मिले वोट, रिकॉर्ड जीत, पुराने नेताओं का पीछे हटना और वोटरों का मजबूत फैसला उल्हासनगर की पॉलिटिक्स में बड़ा बदलाव लाने वाला है।

हाई कोर्ट ने अंबरनाथ दोनों गट का फैसला जिलाधिकारी के पाले में डाला

- सभापति चुनाव टले

अंबरनाथ. अंबरनाथ विकास आघाड़ी द्वारा हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई. हाई कोर्ट ने कहा है कि अंबरनाथ विकास आघाड़ी एवं शिवसेना द्वारा जो गट स्थापना की गई है और जिलाधिकारी को खबर किया है. जिलाधिकारी कार्यालय में 28 जनवरी तक दोनों गट कागजात को जमा करे. जिलाधिकारी से कहा गया है कि वह सुनवाई लेकर दोनों गट के नेता को ईमेल द्वारा अपना निर्णय भेजें. ये भी कहा गया है कि 15 दिन के भीतर इसका निर्णय दिया जाए. ऐसी जाानकारी शिवसेना के गट नेता रवि करंजुले ने सोमवार शाम में पत्रकारों को दी है. सोमवार दोपहर से शहर में ये खबर फैल गई थी कि दोनों गट को जिलाधिकारी ने बर्खास्त करके अपना गट बनाकर जिलाधिकारी के सुपुर्द करे. ये खबर सही नहीं है. ऐसा रवि ने कहा है. जबकि अंबरनाथ विकास आघाड़ी के गट नेता अभिजीत करंजुले ने पत्रकारों को बताया कि हाईकोर्ट के माननीय न्यायाधीश ने कहा है कि 4 नगरसेवकों ने पहले गट को छोड़कर दूसरे गट में गए, उसकी निंदा उन्होंने की है और जिलाधिकारी को 21 दिन में सुनवाई कर निर्णय देने को कहा है. विषय समिति के सभापति के चुनाव अब फरवरी में होने के आसार हैं. जिलाधिकारी के निर्णय पर अब सबकी नजरें लगी हुई हैं. हाईकोर्ट ने जिलाधिकारी के पाले में दोनों गट का निर्णय लेने के लिए डाल दिया है.

अंबरनाथ में रेलवे FOB को मंजूरी

- मोरीवली गांववासियों को हो रही थी परेशानी

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के मोरीवली गांव से पूर्व को जोड़ने के लिए रेलवे ओवरब्रिज या फुटओवर ब्रिज का निर्माण करने की मांग गांव के निवासी कई वर्षों से कर रहे थे. इस रेलवे एफओबी की मंजूरी पीएमओ कार्यालय दिल्ली से मिल गई है. ऐसी जानकारी यहां की सामाजिक संस्था गुरुनाथ गायकर प्रतिष्ठान के पदाधिकारियों ने दी है. मोरीवली गांव के निवासी रोजाना रेलवे पटरी को क्रास करके शहर पूर्व में ग्रीन सिटी अथवा एमआईडीसी की कंपनियों में काम पर जाते थे. जिसके कारण कई यहां के निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. प्रतिष्ठान के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस संबंध में पत्र लिखा. यहां से रेलवे एफओबी बनाने की मंजूरी दे दी गई है. निवासियों ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है. विदित हो कि शहर पश्चिम में मोरीवली गांव अंबरनाथ के सरहद पर है. अंबरनाथ और बदलापुर के बीच बसे मोरीवली गांव में कई कंपनियां भी हैं. यहां पर शहर पूर्व से महिलाएं काम पर आती हैं. रेलवे द्वारा रास्ता बंद करने से महिलाओं एवं मजदूरों को पश्चिम से पूर्व में जाने के लिए दूर का सफर करना पड़ रहा था. समय के साथ-साथ पैसों का खर्च भी ज्यादा हो रहा था. यहां पर मोरीवली से ग्रीन सिटी तक एफओबी बनाया जाना बहुत ही जरूरी थी. जो अब निर्माण होने जा रहा है. जिसकी मंजूरी अब मिल चुकी है.

भंगार कारोबारी के साथ गुंडागर्दी

गुंडों द्वारा पिता-पुत्र की पिटाई मारपीट की घटना सीसीटीवी में कैद

कल्याण. डोंबिवली के देसलेपाड़ा में भंगार का कारोबार करने वाले बाप-बेटे के साथ गुंडागर्दी किए जाने की घटना सामने आई है। गुंडों द्वारा भंगार वाले की पिटाई का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया है। इस मामले में 19 वर्षीय पंकज मोर्या की शिकायत पर मानपाड़ा पुलिस ने गुंडागर्दी करने वाले सागर कोटकर और दो अज्ञात सहित तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

जानकारी के मुताबिक देसलेपाड़ा परिसर में पंकज मोर्या और उसके पिता विनोद मोर्या की भंगार की दुकान है। पंकज ने दुकान के बाहर भंगार का सामान रखा हुआ था। रविवार की शाम 8 के आसपास आरोपी सागर कोटकर दुकान पर आया। उसने पंकज से पूछा कि भंगार दुकान के बाहर क्यों रखा है ? जिसपर पंकज ने कहा कि यह भंगार गाड़ी में लादकर दूसरी जगह ले जाना है, इसलिए दुकान के बाहर रखा हुआ है। इतनी मामूली बात को लेकर सागर ने गंदी-गंदी गालियां देकर पंकज की पिटाई कर दी। कुछ देर बाद सागर अपने दो अज्ञात साथियों के साथ दुकान पर आ पहुंचा और पंकज के पिता विनोद मोर्या पर भी हमला कर दिया। तीनों आरोपियों ने लाठी-डंडे से विनोद की पिटाई कर दी। हालांकि इस घटना में पुलिस ने सागर कोटकर सहित तीनों पर मामला तो दर्ज कर लिया है, लेकिन सागर की गुंडागर्दी से मोर्या परिवार दहशत में है।

पूना लिंक रोड पर वालधुनी नदी का पुल तोड़ा जाएगा

- विठ्ठलवाड़ी से काटेमानिवली का रास्ता रहेगा बंद
- नया पुल बनने तक ट्रैफिक में बदलाव

कल्याण. विठ्ठलवाड़ी पूना लिंक रोड पर कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के पास वालधुनी नदी पर बने पुराने पुल को गिराकर नया पुल बनाया जाएगा। यह काम गुरुवार (22 जनवरी) से शुरू होगा, इसलिए यहां ट्रैफिक में बदलाव किए गए हैं। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने साफ किया है कि काम पूरा होने तक ये बदलाव लागू रहेंगे।

कल्याण-विठ्ठलवाड़ी को जोड़ने वाले वालधुनी नदी पर बने पुल को ट्रैफिक के लिहाज से बहुत अहम माना जाता है। हर साल मानसून में भारी बारिश के कारण पुल डूब जाता है, इसलिए ट्रैफिक रुक जाता है। इस वजह से दोनों तरफ का कम्युनिकेशन टूट जाता है। इसके अलावा, पुल की सुरक्षा दीवारें भी टूट गई हैं, जिससे पुल ट्रैफिक के लिए खतरनाक हो गया है। इसलिए, पुराने पुल को गिराकर नया पुल बनाया जाएगा। साथ ही, फ्लड लाइन को ध्यान में रखते हुए पुल की ऊंचाई भी बढ़ाई जाएगी। क्योंकि उन्नत मार्ग इसी इलाके से शुरू होता है, इसलिए इसकी अहमियत बढ़ जाएगी।

पुणे लिंक रोड कल्याण ईस्ट से विठ्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन और उल्हासनगर श्रीराम चौक जाने वाली सभी गाड़ियों को गणेश विसर्जन लेक कब्रिस्तान चौक में घुसने से रोक दिया गया है। ऐसी गाड़ियों को स्व. आनंद दिघे फ्लाईओवर से सम्राट अशोक चौक होते हुए अपनी मंज़िल पर जाना होगा। श्रीराम चौक और विठ्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन से चक्की नाका की तरफ आने वाली गाड़ियों को श्रीराम चौक में घुसने से रोक दिया गया है। इन गाड़ियों को छत्रपति शिवाजी महाराज एंट्रेंस, शांतिनगर उल्हासनगर, सम्राट चौक से बाएं मुड़कर आगे बढ़ने के लिए कहा गया है। इस बीच, ये बदलाव पुलिस की गाड़ियों, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, ग्रीन कॉरिडोर, ऑक्सीजन गैस गाड़ियों और दूसरी ज़रूरी सेवाओं वाली गाड़ियों पर लागू नहीं होंगे।

स्थानीय लोगों के लिए पर्यायी रास्ते

1) काटेमानिवली स्व. प्रहलाद शिंदे ब्रिज से हनुमान नगर होते हुए कैलाशनगर खड़गोलवाली ब्रिज से विठ्ठलवाड़ी उल्हासनगर।

2) उल्हासनगर से कल्याण ईस्ट जाने के लिए, श्री राम चौक पेट्रोल पंप से आशेले मार्ग से आकर, दाएं मुड़कर खड़ेगोलावली होते हुए, और कैलाशनगर से हनुमान नगर रोड होते हुए कटेमनीवाली चौक पहुंच सकते हैं।

अंदरूनी सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या

पुराने पुल को गिराने और नए पुल को बनाने का काम पूरा होने में कई महीने लग सकते हैं। प्रशासन मानसून से पहले पुल का काम पूरा करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, तब तक खड़ेगोलावली समेत हनुमान नगर की अंदरूनी सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम लगने की संभावना है। तंग सड़कें और बिना इजाज़त के रेहड़ी-ठेले एक बड़ी समस्या हैं, और नगर निगम को इस बारे में कदम उठाने होंगे।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास – लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

स्वच्छ ईंधन की चेतावनी

यह विचित्र विडंबना है कि एक ओर बड़ी संख्या में दंपति बच्चों को गोद लेने के लिए बरसों इंतजार करते हैं, तो दूसरी ओर ऐसे अनाथ बच्चे भी हैं, जो उम्र बढ़ने के साथ गोद लिए जाने से वंचित रह जाते हैं। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के आंकड़े बताते हैं कि गोद लेने के मामले में समाज का नजरिया किस कदर संकुचित है। इस समय प्राधिकरण के पास ऐसे कई बच्चे हैं, जिनकी उम्र छह वर्ष या इससे अधिक हो गई है।

यह दुखद है कि कई दंपति बच्चा तो गोद लेना चाहते हैं, लेकिन साथ ही उम्र सीमा भी तय कर देते हैं। आज भी लोग नवजात शिशु अथवा पांच साल तक के बच्चों को ही गोद लेना पसंद करते हैं। सवाल है कि संतान सुख पाने के लिए क्या यह नजरिया सही है? उम्र और रंग-रूप के आधार पर बच्चों में भेदभाव करने की प्रवृत्ति को स्वस्थ सोच कहा जा सकता है?

गौरतलब है कि गोद लेने की प्रक्रिया के साथ प्रतीक्षा सूची लंबी होने का खमियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। कई बार दंपति की जटिल शर्तों से उनकी उपेक्षा ही होती है। इस जद्दोजहद के बीच कई बच्चे पांच-छह साल की उम्र पार कर जाते हैं और उनके गोद लिए जाने की उम्मीद धुंधली होती जाती है। अगर निसंतान दंपति अपनी सामाजिक सोच बदलें, तो बड़ी उम्र के बच्चों को भी परिवार मिल सकता है और उनका भविष्य संवर सकता है।

वैसे भी बड़े बच्चे समझदार होते हैं और धीरे-धीरे माता-पिता से जुड़ाव के साथ नए परिवार में भी घुल-मिल जाते हैं। अगर दंपति धैर्य रखें और ऐसे बच्चों को प्यार एवं प्रोत्साहन दें, तो यह उनके लिए भी सुखद होगा। निस्संदेह हर बच्चे का अपना घर-परिवार होना चाहिए। इसलिए सामाजिक सोच में बदलाव जरूरी है, ताकि अनाथ बच्चों को भी सामान्य बच्चों की तरह खुशहाल जिंदगी मिल सके और वे अपने सपनों को पूरा कर सकें।

परिवार में शामिल होने पर अनाथ बच्चे खुद को मूल्यवान महसूस करते हैं व इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि वे समाज में सम्मान के भी हकदार होते हैं।

विचार : इंडिया गठबंधन की परीक्षा का साल

नए साल के शुरू में ही पश्चिम बंगाल में राजनीतिक रार और उसमें संवैधानिक प्रविधानों-परंपराओं को ताक पर रख देना बता रहा है कि साल 2026 भारतीय राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है। इस साल चार राज्यों-बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल तथा केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें से तीन में आईएनडीआईए के घटक दलों की सरकारें हैं, जबकि दो में भाजपानीत राजग की।

इन राज्यों की सत्ता में होने वाला बदलाव राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य पर भी असर डालेगा, क्योंकि विधानसभाओं के गणित से संसद के उच्च सदन राज्यसभा में संख्या बल प्रभावित होगा। इसी साल राज्यसभा की 75 सीटों के लिए भी चुनाव होने हैं। साल की शुरुआत देश की सबसे अमीर महानगर पालिका मुंबई यानी बीएमसी समेत महाराष्ट्र के 29 नगर निकाय चुनावों से हुई है। बीएमसी चुनाव में भाजपा को पहली बार जीत मिली है और ठाकरे बंधुओं-उद्धव और राज को साथ आने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है। महत्वपूर्ण तो हर राज्य की सत्ता होती है, पर देश की निगाहें फिलहाल पश्चिम बंगाल पर टिकी हैं। ग्यारह साल से केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और डेढ़ दशक से बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक कटुता चरम पर है। घुसपैठ, एसआईआर और भ्रष्टाचार पर तो तकरार बरकरार है ही, आई-पैक के चेयरमैन के दफ्तर पर ईडी के छापे और उसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वहां पहुंच कर कुछ दस्तावेज ले जाने के

बाद बंगाल की सत्ता का संघर्ष चुनाव से पहले ही सड़कों पर नजर आ रहा है।

ममता इसे केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीति पर ईडी का डाका बता रही हैं तो केंद्र सरकार और भाजपा इसे सरकारी एजेंसी के कामकाज में एक मुख्यमंत्री द्वारा अवरोध डालने का अभूतपूर्व मामला बता रहे हैं। कांग्रेस और वाम मोर्चा अब बंगाल की राजनीति में हाशिये पर हैं। सत्ता की लड़ाई तृणमूल और भाजपा के बीच है। पिछले चुनाव में खुद ममता को हरा कर भाजपा सनसनी फैलाने में तो सफल रही, लेकिन 294 सदस्यीय विधानसभा में 77 सीटों तक ही पहुंच पाई। तृणमूल 215 सीटें जीत गई। तृणमूल को 48 और भाजपा को 38 प्रतिशत मत मिले थे।

2024 के लोकसभा चुनाव में यह फासला बढ़ गया। यही फासला तय करना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। तीन कार्यकाल के बाद सत्ता विरोधी भावना स्वाभाविक है, पर ममता के 'बांग्ला अस्मिता' के मुद्दे की काट भाजपा नहीं कर पा रही। एसआईआर और घुसपैठिया विवाद के बीच अगर भाजपा बंगाल में महाराष्ट्र और बिहार की पुनरावृत्ति कर पाई तो उसका राष्ट्रीय राजनीति पर भी दूरगामी असर होगा।

दूसरा बड़ा और मुश्किल राज्य तमिलनाडु है। वहां द्रमुक की सरकार है, जो 'इंडिया' का घटक दल है। दशकों से तमिल राजनीति द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच बंटी रही, लेकिन जयललिता के निधन के बाद परिदृश्य बदला है। अन्नाद्रमुक और अभिनेता विजय के इर्दगिर्द भाजपा चुनावी बिसात बिछाना चाहती है, पर किसी चमत्कार की खुशफहमी उसे भी नहीं है। उत्तर भारत में भाजपा की लहर चलाने वाले मुद्दे दक्षिण में अभी तक तो नहीं चले हैं। एमके स्टालिन सरकार के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावना के अलावा वंशवाद, भ्रष्टाचार और हिंदी विरोध सरीखे मुद्दे भी हैं, पर उनका चुनावी लाभ उठाने के लिए विश्वसनीय विकल्प भी चाहिए। भाजपा की रणनीति फिलहाल गठबंधन के जरिये मत प्रतिशत बढ़ाने की ज्यादा लगती है।

पिछले लोकसभा चुनाव में अभिनेता सुरेश गोपी के सांसद बनने और हाल में तिरुवनंतपुरम में अपना मेयर बनाने के करिश्मे के बावजूद भाजपा केरल में हाशिये पर ही है। केरल में सत्ता राजनीति वाम मोर्चा 'एलडीएफ' और कांग्रेसी मोर्चा 'यूडीएफ' के बीच बंटी है। हालांकि हर चुनाव में सरकार बदल जाने का सिलसिला पिछली बार वामपंथी मुख्यमंत्री पिनरई विजयन ने तोड़ दिया। इस बार उनके विरुद्ध ज्यादा सत्ता विरोधी भावना की उम्मीद है, पर उसका चुनावी लाभ कांग्रेस को ही मिल सकता है। अपने अंतिम दुर्ग की सत्ता से विदाई वाम राजनीति के लिए बड़ा झटका साबित होगी।

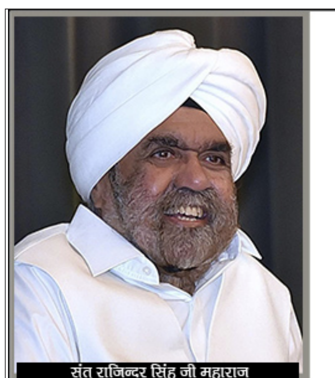

केवल शांति में ही हम प्रभु के प्रेम का अनुभव कर सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बीएमसी में खींचतान, दोनों दलों में साफ दिख रहा अविश्वास

एकनाथ शिंदे ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका यानी बीएमसी चुनाव में जीते अपने पार्षदों को जिस तरह एक होटल भेज दिया, उसका औचित्य समझना कठिन है। आखिर एकनाथ शिंदे के पार्षदों को किससे खतरा है? क्या उनके पार्षदों के टूटने की आशंका है या फिर वे भाजपा के मेयर को समर्थन देने की कोई कीमत वसूलना चाहते हैं? कारण जो भी हो, यह किसी से छिपा नहीं कि भाजपा और उसकी सहयोगी शिवसेना के बीच खटपट चलती ही रहती है।

विधानसभा चुनावों के बाद भी दोनों दलों के बीच खींचतान देखने को मिली थी। इसके बाद विभागों के बंटवारे को लेकर भी दोनों दलों के बीच मतभेद सामने आए थे। शिंदे शिवसेना की मानें तो उनके पार्षदों को पार्षद के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए होटल में एकत्रित किया गया है, लेकिन इस तर्क में कोई बहुत नहीं दिखता और इसीलिए विपक्षी दल उस पर कटाक्ष करने में लगे हुए हैं। उन्हें कटाक्ष का यह अवसर शिंदे शिवसेना ने स्वयं ही उपलब्ध कराया है।

समझना कठिन है कि जब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना राज्य की सत्ता में साझेदार है और उसने बीएमसी के साथ महाराष्ट्र के अन्य निकाय चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़े थे, तब फिर

अपने पार्षदों को एकत्रित क्यों कर रही है? यह देखना दयनीय है कि जब दोनों दलों के पार्षदों को मुंबई की सूरत संवारने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करनी चाहिए, तब उनके बीच अविश्वास देखने को मिल रहा है। हैरानी नहीं कि शिंदे शिवसेना के पार्षदों ने इसलिए होटल में डेरा जमाया हो, ताकि वे बीएमसी में मलाईदार पद हासिल कर सकें। जो भी हो, दोनों दलों के बीच का अविश्वास बीएमसी की उनकी शानदार जीत को मलिन ही कर रहा है।

यह निराशाजनक है कि राजनीतिक दल नगर निकाय के चुनाव में जीत हासिल करने के लिए तो हरसंभव जतन करते हैं, लेकिन नगरों की दशा-दिशा बदलने की ईमानदारी से कोई कोशिश करते नहीं दिखते। राजनीतिक दलों के इसी रवैये के कारण देश के छोटे-बड़े शहर दुर्दशा से ग्रस्त हैं। चिंताजनक यह है कि उनकी दुर्दशा बढ़ती चली जा रही है। मुंबई सरीखे जिन महानगरों को नगरीय ढांचे में सुधार करके कोई मिसाल कायम करनी चाहिए, वे इसमें बुरी तरह नाकाम सिद्ध हो रहे हैं। इस नाकामी के चलते ही शहरी जीवन कष्टप्रद बनता चला जा रहा है।

हमारे अधिकांश शहर गंदगी-प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से तो ग्रस्त रहने ही लगे हैं, उनमें झुग्गी-बस्तियां भी बढ़ती चली जा रही हैं। बीएमसी देश का सबसे धनी नगर निकाय है। उसका बजट कई राज्यों के बजट से भी अधिक है, लेकिन इसके बावजूद मुंबई नागरिक सुविधाओं की दृष्टि से एक बदहाल महानगर है। यदि बीएमसी के मेयर का चयन सुगमता से नहीं होता तो देश की आर्थिक राजधानी का बदहाली से मुक्त होना कठिन ही होगा।

बिक गई दुनिया की सबसे महंगी जमीन

भारत में लोग प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करना बहुत पसंद करते हैं. जिसकी जैसी हैसियत, उसके हिसाब से प्लॉट खरीदते हैं. अब दुनिया में

जरा हट के

जमीन खरीदने की सबसे चर्चित डील अब सामने आई है. इसे अभी तक के सबसे बड़े प्लॉट की बिक्री माना जा रहा है. ये डील हुई अमेरिका के वायोमिंग राज्य में स्थित पैथफाइंडर रैंचेज़ की. यह विशाल संपत्ति हाल ही में बिक गई है. इसका कुल क्षेत्रफल करीब 916,000 एकड़ है, जो न्यूयॉर्क सिटी से चार गुना बड़ा और रोड आइलैंड राज्य से भी अधिक है.

बिक गई जमीन

इस रैंच की लिस्टिंग प्राइस 79.5 मिलियन डॉलर (लगभग 670 करोड़ रुपये) थी और डील 14 जनवरी 2026 को फाइनल हो गई. यह रैंच रॉकी माउंटेंस में चार काउंटियों में फैला हुआ है और राज्य के कुल क्षेत्रफल का 1% से ज्यादा

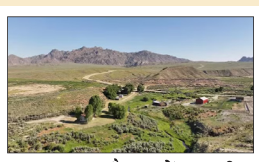

कवर करता है. इसमें 20 मील से अधिक स्वीटवॉटर नदी, पेड्रो, फेरिस, सेमिनो और ग्रीन माउंटेन रेंज के हिस्से शामिल हैं. ऐतिहासिक इंडिपेंडेंस रॉक भी यहीं है, जो ओरेगन, मोर्मन, पोनी एक्सप्रेस और कैलिफोर्निया ट्रेल्स पर स्थित है. यह एक वर्किंग कैटल रैंच है, जहां 90,000 से ज्यादा मवेशी रखे जा सकते हैं. कई महीनों तक खरीदार की पहचान रहस्य बनी रही. लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अफवाहें फैला रहे थे, लेकिन अब खुलासा हो गया है कि खरीदार क्रिस्टोफर रॉबिन्सन हैं. वे समिट काउंटी काउंसिल के सदस्य और एनसाइन ग्रुप एलसी के सीईओ हैं. उनकी फैमिली कंपनी पहले से ही यूटा, इडाहो और वायोमिंग में 10 लाख एकड़ से ज्यादा प्राइवेट और पब्लिक लैंड कंट्रोल करती है. एनसाइन रैंचेज़ के नाम से जानी जाने वाली यह होल्डिंग अब पैथफाइंडर रैंच के साथ और बढ़ गई है.

इस डील से पहले रॉबिन्सन और उनकी फैमिली की होल्डिंग लैंड रिपोर्ट मैगज़ीन की टॉप 100 लैंडओनर्स लिस्ट में 31वें नंबर पर थी. पैथफाइंडर रैंच जोड़ने के बाद उनकी कुल ज़मीन 4.70 लाख एकड़ से ज्यादा हो सकती है, जिससे वे लिस्ट में 10 पोजीशन ऊपर चढ़ जाएंगे और अमेज़न फाउंडर जेफ बेजोस (4.62 लाख एकड़) को पीछे छोड़ देंगे. रॉबिन्सन ने कहा है कि यह खरीद सिर्फ रैंकिंग या स्केल के लिए नहीं, बल्कि ज़मीन और पानी से उनका प्यार है.

आलू उत्तपम

खाना-खजाना

साउथ इंडियन उत्तपम तो आपने कई बार खाया होगा, लेकिन आलू का यह 'देसी ट्विस्ट' इसे और भी खास बना देता है। यह बाहर से हल्का कुरकुरा और अंदर से एकदम सॉफ्ट होता है। बच्चे हों या बड़े, यह डिश सबको उंगलियां चाटने पर मजबूर कर देगी।

सामग्री

- **कच्चे आलू:** 2 (छीलकर कद्दूकस किए हुए)
- **सूजी:** 1 कप
- **दही:** आधा कप
- **सब्जियां:** 1 बारीक कटा प्याज, 1 हरी मिर्च, थोड़ा हरा धनिया
- **मसाले:** आधा चम्मच जीरा, थोड़ी-सी काली मिर्च और नमक (स्वादानुसार)
- **पकाने के लिए:** थोड़ा-सा तेल या घी

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े कटोरे में सूजी और दही को अच्छे से मिला लें। अब इसमें कद्दूकस किए हुए कच्चे आलू डालें। ध्यान रहे, आलू को कद्दूकस करने के बाद एक बार पानी से धो लें ताकि उसका

अतिरिक्त स्टार्च निकल जाए।

इसके बाद, इस मिश्रण में थोड़ा-सा पानी डालकर गाढ़ा घोल (बैटर) बना लें और इसे 10-15 मिनट के लिए ढककर रख दें। इससे सूजी अच्छी तरह फूल जाएगी और उत्तपम सॉफ्ट बनेंगे।

15 मिनट बाद, इस घोल में बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, हरा धनिया, जीरा और नमक डालें। अगर घोल ज्यादा गाढ़ा लगे, तो थोड़ा पानी मिलाकर इसे सेट कर लें (घोल इडली के बैटर जैसा होना चाहिए)। अब एक नॉन-स्टिक तवा गर्म करें और उस पर हल्का तेल लगाएं। एक बड़ा चम्मच भरकर बैटर तवे पर डालें और इसे गोल-गोल (उत्तपम की तरह) फैलाएं। इसे बहुत पतला न करें, इसे थोड़ा मोटा ही रखें। किनारों पर थोड़ा तेल डालें और मध्यम आंच पर पकने दें। जब नीचे की परत सुनहरी और कुरकुरी हो जाए, तो इसे सावधानी से पलट दें। दोनों तरफ से अच्छे से सेकें। बस फिर, आपका गरमा-गरम आलू उत्तपम तैयार है।

आज का राशिफल

मेष : घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें। पुराना रोग उभर सकता है। परिवार की चिंता रहेगी।

वृषभ : शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी की बातों में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें.

कर्क : धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें। शत्रु शांत रहेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

सिंह : कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु परस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

कन्या : पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। प्रमाद न करें।

तुला : पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। किसी व्यक्ति विशेष की नाराजी झेलना पड़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक : कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा।

धनु : जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

मकर : यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ : जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा। भागदौड़ रहेगी।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

Gen-Z में बढ़ा खिलौनों का क्रेज

क्यों बड़े होकर भी 'बचपन' नहीं छोड़ पा रहे हैं आज के युवा?

आज के दौर में अगर आप किसी युवा के हाथ में प्यारा सा खिलौना या उनके बैग पर लटकती कोई छोटी सी डॉल देखें, तो हैरान न हों। दरअसल, अब ये खिलौने केवल बच्चों का शौक नहीं रहे, बल्कि एक बड़े वैश्विक बदलाव का हिस्सा हैं।

जेन-जी (Gen-Z) पीढ़ी आए दिन किसी न किसी नए ट्रेंड के लिए जानी जाती है। उसी में एक नया दौर खिलौनों का भी है। पिछले साल 'लबुबू डॉल्स' (Labubu Dolls) की जबरदस्त मांग ने यह साबित कर दिया कि प्लश टॉयज अब सिर्फ पालने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि युवाओं को भी खूब पसंद आ रहे हैं।

आंकड़ों में खिलौनों का जादू

ग्लोबल रिसर्च फर्म सिरकाना की एक रिपोर्ट चौंकाने वाले आंकड़े पेश करती है। इस साल ब्रिटेन में करीब 43% वयस्कों ने अपने लिए या किसी दूसरे बड़े व्यक्ति के लिए खिलौने खरीदे। लेकिन जब बात जेन-जी की आती है, तो यह आंकड़ा बढ़कर 76% तक पहुंच जाता है। आज के युवा न केवल लबुबू डॉल्स, बल्कि

टॉय कंपनियों हो रही है चांदी

युवाओं की इस नई पसंद ने खिलौना बनाने वाली कंपनियों की किस्मत बदल दी है। लबुबू बनाने वाली कंपनी 'पॉप मार्ट' के नेट प्रॉफिट में लगभग 400% का भारी उछाल देखा गया है। वहीं, मशहूर ब्रांड जेलीकैट की 2024 की कमाई में 66% की बढ़ोतरी हुई और उनका मुनाफा दोगुने से भी ज्यादा हो गया। यह साफ दिखाता है कि खिलौनों का बाजार अब जेन-जी के दम पर नई ऊंचाइयां छू रहा है।

जेलीकैट जैसे ब्रांड्स के खिलौने बड़ी संख्या में इकट्ठा कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर अपनी इस कलेक्शन को गर्व से दिखा भी रहे हैं।

क्या है इस ट्रेंड के पीछे की वजह?

इस दिलचस्प बदलाव को 'जॉय इकोनॉमी' कहा जा रहा है। आज का युवा एक ऐसे दौर में जी रहा है, जहां आर्थिक दबाव, महंगाई, युद्ध और भविष्य की अनिश्चितताएं हर तरफ हैं। ऐसे तनाव भरे माहौल में, खिलौने उन्हें बचपन की उन खुशियों और सुकून की याद दिलाते हैं जहां कोई जिम्मेदारी नहीं थी। यह उनके लिए मानसिक शांति पाने और हकीकत से थोड़ी देर के लिए दूर भागने का एक जरिया बन गया है।

खिलौने अब केवल खेलने की वस्तु नहीं, बल्कि भावनात्मक सहारा बन गए हैं। जेन-जी का यह ट्रेंड बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक क्यों न हो जाए, सादगी और बचपन की यादें आज भी सबसे बड़ी खुशी का जरिया हैं।

सर्दियों में सोते समय कैसे करें त्वचा की मरम्मत

सर्दियों में स्किनकेयर अक्सर सिर्फ 'गाढ़ी क्रीम' और 'अधिक नमी' तक सीमित रह जाती है, लेकिन असली फर्क टाइमिंग से पड़ता है. हमारी त्वचा एक सर्केडियन रिदम यानी आंतरिक घड़ी के हिसाब से चलती है, जो तय करती है कि कब त्वचा खुद को बचाती है और कब मरम्मत करती है. अगर इस रिदम को नजरअंदाज किया जाए, खासकर ठंड में, तो रिकवरी धीमी हो जाती है, त्वचा की सुरक्षा कमजोर पड़ती है और ड्रायनेस, जलन और महीन रेखाएं ज्यादा दिखने लगती हैं. सर्केडियन स्किनकेयर का मतलब है त्वचा के नेचुरल रिपेयर साइकिल के साथ काम करना, न कि उसे ओवरलोड करना.

सर्दियों में जब ठंडी हवा, हीटर और कम नमी त्वचा को चुनौती देती है, तब रात की स्किनकेयर रूटीन को इन बायोलॉजिकल प्रोसेस के साथ मिलाना और भी जरूरी हो जाता है. सर्केडियन स्किनकेयर असल में क्या है? डॉ. वर्षिनी रेड्डी, ग्लो क्लिनिक, हैदराबाद की फाउंडर और चीफ डर्मेटोलॉजिस्ट बताती हैं, 'सर्केडियन स्किनकेयर का मतलब है अपने शरीर की सर्केडियन रिदम के हिसाब से दिन और रात के लिए स्किनकेयर रूटीन पर्सनलाइज करना.' दिन में त्वचा ज्यादा सीबम बनाती है और खुद को UV किरणों, प्रदूषण और फ्री रेडिकल्स से बचाती है.

रात में त्वचा रिपेयर मोड में चली जाती है, सेल टर्नओवर बढ़ता है और एक्टिव इंग्रीडिएंट्स ज्यादा असर करते हैं. सर्दियों में ये रिदम बिगड़ जाती है. डॉ. रेड्डी के मुताबिक, ठंडे मौसम में त्वचा की सेल रिपेयर और लिपिड रीप्लेनिशमेंट धीमी हो जाती है, जिससे रात में रिकवरी कम हो जाती है जब तक सही सपोर्ट न मिले. सर्दियों में त्वचा की मरम्मत क्यों बिगड़ती है? ठंडी, सूखी हवा से त्वचा की नमी तेजी से कम होती है, जिससे उसकी सुरक्षा कमजोर पड़ती है. डॉ. रेड्डी बताती हैं, 'सर्दियों में लिपिड्स आसानी से नहीं बनते क्योंकि हवा ठंडी और सूखी होती है.' एंजाइम एक्टिविटी भी कम हो जाती है, जिससे सेरामाइड और फैटी एसिड्स की प्रोडक्शन पर असर पड़ता है. नतीजा होता है डिहाइड्रेशन, सूजन और एक्जिमा या सोरायसिस जैसी समस्याएं. इसी वजह से सर्दियों में त्वचा अक्सर टाइट, संसेटिव और डल लगती है, भले ही आप वही प्रोडक्ट्स इस्तेमाल कर रहे हों जो गर्मियों में अच्छे लगते थे.

जल्दी टूट जाते हैं चाय-कॉफी के कप?

खरीदारी के वक्त रखें इन 5 बातों का ध्यान

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि बाजार से लाया गया सुंदर-सा कप कुछ ही दिनों में चटक जाता है या उसका हैंडल हाथ में आ जाता है? हम अक्सर कप खरीदते समय सिर्फ उसका रंग और डिजाइन देखते हैं, लेकिन उसकी मजबूती पर ध्यान नहीं देते। चाय की चुस्की का मजा तब और बढ़ जाता है जब कप भी अच्छा और टिकाऊ हो। अगली बार जब आप क्रॉकरी खरीदने जाएं, तो इन 5 बातों का खास ख्याल रखें। यकीन मानिए, आपके कप सालों-साल आपका साथ निभाएंगे।

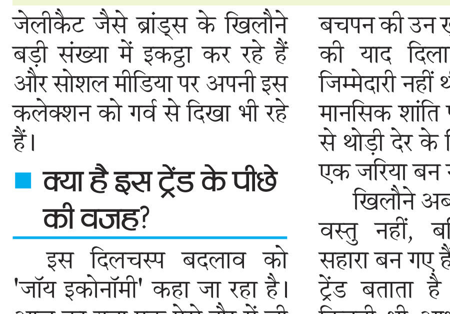

सही मटेरियल का चुनाव

सबसे पहले यह देखें कि कप किस चीज से बना है। रोजाना इस्तेमाल के लिए 'बोन चाइना' या 'स्टोनवेयर' सबसे अच्छे माने जाते हैं। बोन चाइना की बात करें, तो यह हल्का होता है लेकिन बहुत मजबूत होता है और आसानी से नहीं टूटता। दरअसल, यह सिरैमिक का ही एक टाइप होता है। अगर आप इसे खरीद रहे हैं, तो ध्यान दें कि वह अच्छी क्वालिटी का हो, क्योंकि सस्ता सिरैमिक जल्दी चटक जाता है।

किनारों की मोटाई देखें

कप का सबसे नाजुक हिस्सा उसका ऊपरी किनारा होता है। अक्सर कप यहीं से टूटना या 'चिप' होना शुरू होता है। खरीदते समय उंगली फेरकर देखें। किनारे बहुत पतले नहीं होने चाहिए। थोड़े मोटे और गोल किनारे वाले कप ज़्यादा टिकाऊ होते हैं और जल्दी टूटते नहीं हैं।

हैंडल की मजबूती और ग्रिप

कई बार कप तो सही रहता है, लेकिन उसका हैंडल टूट जाता है। इसलिए, खरीदते समय कप को हाथ में पकड़कर देखें। क्या हैंडल कप के साथ मजबूती से जुड़ा है? क्या आपकी उंगलियां उसमें आराम से फिट हो रही हैं? अगर हैंडल बहुत पतला है या कप के वजन के हिसाब से कमजोर लग रहा है, तो उसे न खरीदें।

फिनिशिंग और चमक

कप की सतह को गौर से देखें। उस पर चढ़ी हुई परत एक समान होनी चाहिए। अगर आपको कप पर छोटे-छोटे बुलबुले या खुरदरापन दिखाई दे, तो समझ जाएं कि इसकी क्वालिटी अच्छी नहीं है। ऐसी जगहों से कप के चटकने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। एक स्मूथ और बेदाग कप ही लंबी रेस का घोड़ा होता है।

माइक्रोवेव सेफ है या नहीं?

आजकल हम अक्सर चाय-कॉफी दोबारा गर्म करने के लिए माइक्रोवेव का इस्तेमाल करते हैं। अगर आपका कप 'माइक्रोवेव सेफ' नहीं है, तो गर्म होते ही वह चटक सकता है। कप के नीचे लिखे निर्देशों को जरूर पढ़ें। रोजाना के इस्तेमाल के लिए हमेशा 'माइक्रोवेव एंड डिशवॉशर सेफ' कप ही चुनें। साथ ही, कांच के कप में गर्म चाय डालने से पहले उसमें एक स्टील का चम्मच डाल दें। इससे तापमान बंट जाता है और कांच के चटकने का डर खत्म हो जाता है।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यूपी में दिनदहाड़े एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या, फर्श पर खून से सनी मिलीं लाशें

एटा. यूपी के एटा में दिनदहाड़े एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। घर की फर्श पर ही चारों के शव खून से लथपथ मिले। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हत्या के आरोपी घर से फरार हो गया। हत्या की खबर पाकर आनन-फानन पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की जांच पड़ताल के अनुसार घर में कोई लूटपाट नहीं हुई है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।

डबल डेकर बस रात में दो बजे हुई बेकाबू, तेज रफ्तार में पलटी; हाईवे पर चीख-पुकार

गोरखपुर. गोरखपुर से करीब 50 यात्रियों को लेकर दिल्ली के लिए रविवार की देर शाम रवाना हुई निजी डबल डेकर बस नगर कोतवाली क्षेत्र में अयोध्या लखनऊ हाईवे पर भाजपा कार्यालय के सामने अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 11 यात्री घायल हुए हैं। घायलों का जिला अस्पताल में उपचार कराया गया है। पुलिस ने शेष यात्रियों को अन्य वाहनों से गंतव्य के लिए रवाना कर दिया। गोला बस सर्विस की बस रविवार की शाम लगभग 50 यात्रियों को लेकर गोरखपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। यात्रियों का आरोप है कि बस चालक शुरू से ही तेज रफ़्तार में वाहन चला रहा था।

आयकर विभाग ने मजदूर को भेज दिया सात करोड़ का नोटिस, टेंशन में आया परिवार

हरदोई. यूपी के हरदोई में एक अजब-गजब मामला सामने आया है। आयकर विभाग ने रूदामऊ के एक मजदूर को सात करोड़ रुपये का नोटिस भेज दिया। यही नहीं आयकर विभाग की एक टीम 13 जनवरी को मजदूर के घर भी पहुंच गई। टीम ने युवक से बैंक खातों से संबंधित दस्तावेज मांगे। नोटिस के बाद से परिजन मानसिक तनाव में हैं। माधौगंज थाना क्षेत्र के ग्राम रूदामऊ निवासी गोविन्द कुमार को आयकर विभाग की ओर से 7 करोड़ 15 लाख 92 हजार 786 रुपये की नोटिस मिलने से पूरे परिवार में हड़कंप मचा है। गोविन्द कुमार ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है और इतनी बड़ी रकम की नोटिस आने का उसे कोई कारण समझ में नहीं आ रहा है।

जेल में बंद भाई से मिलने गए युवक का थार से अपहरण, मारपीट कर एक्सप्रेसवे पर फेंका

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां जिला जेल में बंद भाई से मिलने जा रहे युवक का काले रंग की थार सवार युवकों ने शनिवार को अपहरण कर लिया और मारपीट कर एक्सप्रेसवे पर छोड़कर फरार हो गए। शाहपुर पुलिस ने केस दर्ज कर चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। घटना में प्रयुक्त थार भी कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। दोनों पक्षों में लेनदेन का विवाद बताया जा रहा है। थाना खोराबार के भैंसहा बाढ़न के रहने वाला 20 साल का अमन कुमार राव अपनी मां सीमा देवी के साथ शनिवार को जेल में हत्या के प्रयास में बंद अपने भाई हर्ष कुमार से मिलने गया था।

फंदे से लटक कर युवक ने दी जान

लखनऊ. लखनऊ के सआदतगंज में एक युवक ने झोपड़ी में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। घटना के कारणों का पता नहीं चला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सआदतगंज थाना क्षेत्र के सुलतानपुर मढ़ैया निवासी 22 वर्षीय दादू यादव ने अपनी झोपड़ी में फंदे से लटक कर जान दे दी। गाजीपुर जनपद निवासी दादू पिता केशलाल और दो भाइयों के साथ झोपड़ी बनाकर रहते थे और मजदूरी करते थे। पुलिस ने बताया कि शनिवार को दादू के पिता व भाई काम पर चले गए। इस बीच दादू अकेले झोपड़ी में थे। उन्होंने झोपड़ी में ही फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली।

बीजेपी में नए युग की शुरुआत

नितिन नवीन ने किया नामांकन, राजनाथ- अमित शाह बने प्रस्तावक

नई दिल्ली. बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उनके प्रस्तावक बने हैं। उनकी नामांकन प्रक्रिया के दौरान जेपी नड्डा और हरदीप सिंह पुरी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्य इकाइयों के अध्यक्ष, सांसद और अन्य पदाधिकारी भी पहुंचे थे। इस मौके को संगठनात्मक एकता और पार्टी के पुरजोर समर्थन के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

20 जनवरी को भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा किए जाने की संभावना है। इस अवसर पर दिल्ली में छत्तीसगढ़ से भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे, जिससे कार्यक्रम को भव्य स्वरूप मिलने की उम्मीद है। आपको बता दें कि नितिन नवीन को कार्यकारी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देकर पहले ही तय कर दिया गया था कि बीजेपी की कमान उनको ही मिलने वाली है। 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर उनके निर्विरोध चुनाव की पूरी भूमिका बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद और गृह मंत्री अमित शाह समेत बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व का उन्हें पूरा समर्थन प्राप्त है।

कहां से हुई राजनीति की शुरुआत

- नितिन नवीन दिवंगत नवीन के बेटे हैं। उनके पिता ने जेपी आंदोलन से राजनीति कि शुरुआत की थी। वहीं नितिन नवीन का जन्म 1980 में पटना में हुआ था। 2005 में उनके पिता का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी सीट पर उपचुनाव हुआ और नितिन नवीन विधायक बन गए। उन्होंने पटना पश्चिमी क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। इसके बाद इस सीट पर उनकी बड़ी जीत होती रही।
- 2016 में उन्हें बीजेपी युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया। इसके बाद संगठन में उनका रुतबा बढञता चला गया। वह लागातार संगठन के लिए सक्रिय रहने लगे। वह पांच बार विधायक बने और तीन बार मंत्रिपद पर भी रह चुके हैं। 2025 विधानसभा चुनाव में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी गई जौ कि अब पूर्णकालिक अध्यक्ष में तब्दील होने जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में घायल 8 जवानों में से एक की मौत

- **किश्तवाड़ में छिपे जैश के 3 आतंकी**
- **ऑपरेशन त्राशी-1 लगातार दूसरे दिन जारी**

किश्तवाड़. जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की तलाश के लिए जारी ऑपरेशन त्राशी-1 के बीच रविवार को 8 घायल जवानों में से एक की सोमवार को मौत हो गई। मृतक जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है। रविवार को चतरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में शुरू किया गया था, जिसके बाद गोलीबारी हुई जिसमें आठ सैनिक घायल हो गए थे। वहीं, किश्तवाड़ में लगातार दूसरे दिन आतंकियों की तलाश जारी है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) से जुड़े दो-तीन आतंकवादियों का एक ग्रुप जंगलों में छिपा हुआ है। सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कई टीमें, ड्रोन और स्निफर कुत्तों की मदद से, इलाके की तलाशी ले रही हैं।

उधर, जम्मू के खौर सेक्टर के पुलिस पोस्ट पल्लनवाला के अंतर्गत गांव कचरियाल में एक खुले मैदान से सोमवार को पाकिस्तानी प्लेन के आकार का गुब्बारा मिला। सफेद और हरे रंग के गुब्बारे पर PIA यानी पाकिस्तानी इंटरनेशनल एयरलांइस लिखा हुआ है। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले गुब्बारे को देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच पूरी करने के बाद गुब्बारे को आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस पोस्ट पल्लनवाला को सौंप दिया गया है।

SIR के खिलाफ TMC का हल्लाबोल

- **BDO ऑफिस के बाहर लाठी और झाड़ू लेकर पहुंचे कार्यकर्ता**

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के एसआईआर के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस का प्रदर्शन जारी है। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हुगली के श्रीरामपुर में सोमवार को BDO और SDO कार्यालय के सामने लाठियां और झाड़ू लेकर प्रदर्शन किया। यह विरोध चुनाव आयोग ऑफ इंडिया और बीजेपी के खिलाफ है, क्योंकि राज्य में एसआईआर चल रहा है। टीएमसी विधायक अरिंदम गुइन ने कहा, 'बीजेपी आम जनता के नाम काटने की कोशिश कर रही है। वे लोग चुनाव आयोग के साथ मिले हुए हैं मगर हम ऐसा होने नहीं देंगे। यह पश्चिम बंगाल है और यहां पर ममता बनर्जी हैं। किसी का भी नाम वोटर

लिस्ट से कटने नहीं दिया जाएगा।'

दक्षिण 24 परगना जिले में SIR में शामिल एक बूथ स्तरीय अधिकारी (BLO) को मस्तिष्काघात के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। SIR के दबाव और स्कूल के काम से निपटने के लिए 20 घंटे से अधिक समय से काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बूथ पर कई मतदाताओं को सुनवाई का नोटिस मिलने के बाद वह और अधिक तनाव में आ गए थे। तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भाजपा और उसके आज्ञाकारी निर्वाचन आयोग की संवेदनहीन व रक्तरंजित एसआईआर ने सारी हदें पार कर दी हैं।

कुलदीप सिंह सेंगर को हाई कोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली. उन्नाव रेप केस के मुख्य आरोपित पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। पूर्व विधायक की आरे से सजा निलंबन (सस्पेंशन ऑफ सेंटेंस) के लिए दायर की गई याचिका को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कस्टोडियल डेथ से जुड़े मामले में सेंगर की याचिका खारिज की है। यह केस उन्नाव रेप कांड की पीड़िता के पिता की हिरासत के दौरान हुई मौत के मामले में दर्ज हुआ था। इसी केस में सजा के कारण कुलदीप सिंह सेंगर जेल से बाहर नहीं आ पाया था।

कुलदीप सिंह सेंगर को ट्रायल कोर्ट ने 2019 में इस मामले में 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। सेंगर ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर इस सजा को निलंबित करने की मांग की थी। पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर की ओर से कोर्ट में दलील दी गई थी कि वह लंबे समय से जेल में बंद हैं। उनकी सेहत लगातार खराब हो रही है।

भारत ने दाल पर लगाया टैरिफ

- **...तो अमेरिका को लगी मिर्ची**
- **डोनाल्ड ट्रंप को लिख दिया लेटर**

अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील एक बार फिर अटकती नजर आ रही है। इस बार इस डील के रास्ते में रोड़ा बनी है दाल। दो अमेरिकी सांसदों ने इसको लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखा है। इसमें ट्रंप से कहा गया है कि वो भारत पर दबाव बनाएं कि अमेरिकी दालों के आयात से 30 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी हटाई जाए। अमेरिकी सांसदों ने भारत द्वारा लगाई गई इंपोर्ट ड्यूटी को गैर-जरूरी बताया गया है। साथ ही इनका यह भी कहना है कि इसकी वजह से अमेरिकी उत्पादकों को काफी नुकसान हो रहा है। बता दें कि भारत ने यह आयात शुल्क अमेरिका द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद लगाया है। आशंका है कि इसके चलते

अमेरिका-भारत के बीच चल रही ट्रेड डील फिर पटरी से उतर सकती है।

सांसदों के लेटर में क्या कहा गया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह पत्र रिपब्लिकन सीनेटरों ने लिखे हैं। इनमें से एक हैं मोंटाना से स्टीव डेन्स और दूसरे हैं उत्तरी डकोटा से केविन क्रेमर। पत्र में कहा गया है कि उनके राज्य दो बड़े दाल उत्पादकों में से हैं, जिसमें मटर भी शामिल है। भारत इनका सबसे बड़ा उपभोक्ता है, जो विश्व का 27 फीसदी है। इसके मुताबिक भारत में लेंटिल्स, चिकपीज, सूखी दालों और मटर की सबसे ज्यादा खपत है। लेकिन भारत ने इन श्रेणियों में अमेरिकी निर्यात पर टैरिफ लगा रखा है। अमेरिकी सांसदों ने कहा कि भारत ने पिछले साल 30 अक्टूबर को पीली दाल पर भी 30 फीसदी टैरिफ लगा दिया।

पीएम मोदी से बात करने की सलाह

अमेरिकी सांसदों ने भारत द्वारा लगाए गए टैरिफ को अनफेयर बताते हुए अमेरिकी दाल उत्पादकों को नुकसान होने की बात कही है। साथ ही अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति ट्रंप को सलाह दी है कि वह दाल पर भारत द्वारा लगाए गए टैरिफ को लेकर पीएम मोदी से बात करें। ताकि दोनों देशों के बीच एक सहयोग बने, जिससे अमेरिकी उत्पादकों और भारतीय उपभोक्ताओं दोनों को फायदा मिल सके।

लातेहार में बस पलटने से 10 मौतें

- **इनमें 5 महिलाएं, 5 पुरुष, 19 गंभीर**
- **ब्रेक फेल था, सभी सगाई में जा रहे थे**

लातेहार. छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा पर ओरसा घाट में स्कूल बस पलटने से मौत का आंकड़ा बढ़कर 10 हो गया। मृतकों में 5 महिलाएं और 5 पुरुष शामिल हैं। हादसे 78 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 19 की हालत गंभीर है। घायलों को गुमला और रांची के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसा रविवार दोपहर झारखंड के लातेहार जिले के महुआडांड थाना क्षेत्र में हुआ।

हादसा रविवार दोपहर छत्तीसगढ़ सीमा से लगभग 7 किलोमीटर दूर झारखंड के लातेहार जिले के महुआडांड थाना क्षेत्र में हुआ। इसमें 87 लोग सवार थे, जो बलरामपुर जिले के ग्राम पीपरसोत, महाराजगंज, झपरा और बुद्धीडीह से सगाई समारोह में शामिल होने के लिए ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल की बस में झारखंड के लोधगांव जा रहे थे। बस ओरसा बंगलादारा घाटी में पहुंची थी, तभी ढलान में बस का ब्रेक अचानक फेल हो गया। इस दौरान तेज रफ्तार बस पीडब्ल्यूडी के रोड सेफ्टी गार्ड को तोड़ते हुए पेड़ से टकराकर करीब 20 फीट नीचे जाकर सड़क पर पलट गई। हादसे में 5 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 5 लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

बस का ब्रेक हो गया था फेल, नहीं हुई कंट्रोल

बस ड्राइवर विकास पाठक के मुताबिक, हादसे से कुछ समय पहले ही ब्रेक नहीं लगने का अहसास हुआ। स्थिति को संभालने के लिए हैंड ब्रेक का उपयोग किया। इसके बाद इंजन भी बंद कर दिया, लेकिन ढलान होने के कारण बस बेकाबू हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना गंभीर था कि कई यात्री बस के अंदर सीटों और लोहे के ढांचे के बीच फंस गए.

गाजा पीस बोर्ड में भारत भी निभाएगा खास भूमिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में गाजा में कराए गए शांति समझौते के दूसरे चरण के के लिए गाजा पीस बोर्ड की स्थापना की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक भारत को भी इसमें शामिल करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप ने नई दिल्ली को प्रस्ताव भेजा है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस निमंत्रण पत्र को भी पोस्ट किया। गौरतलब है कि इस बोर्ड में शामिल होने के लिए पाकिस्तान को भी निमंत्रण भेजा गया है, शरीफ सरकार ने भी इसकी पुष्टि की है।

पत्र में राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने साथ इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता दिया।

पुराने लोगों को रिटायर होना चाहिए -गडकरी

- **नई पीढ़ी को कमान सौंपनी चाहिए**
- **वे जिम्मेदारी संभाल ले तो पुरानी पीढ़ी दूसरा काम करे**

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पुराने जनरेशन के लोगों को धीरे-धीरे रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। उन्हें नई पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए और उनका मार्गदर्शन करना चाहिए।

गडकरी रविवार को नागपुर में एसोसिएशन फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (AID) इवेंट के दौरान 'एडवांटेज विदर्भ–खासदार

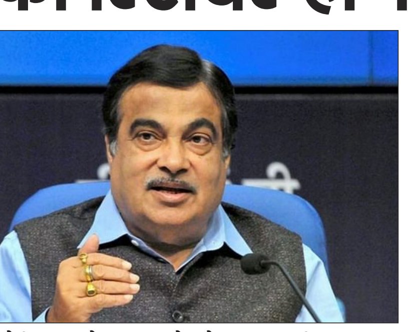

औद्योगिक महोत्सव' को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे।

इसे AID के अध्यक्ष आशीष काले ने आयोजित किया था। गडकरी AID के चीफ मेंटर है। उन्होंने कहा- जब नए लोग ठीक से गाड़ी चलाने लगे तो सीनियर लोगों को दूसरा काम करना चाहिए।

नागपुर में 6 से 8 फरवरी तक AID के 'एडवांटेज विदर्भ' एक्सपो का आयोजन होगा। इस साल एक्सपो का तीसरा साल है। उन्होंने बताया कि एक्सपो का मकसद भारत के इंडस्ट्रियल मैप पर विदर्भ को एक मजबूत और उभरते विकास केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एक्सपो में टेक्सटाइल, प्लास्टिक, खनिज, कोयला, विमानन, लॉजिस्टिक्स, आईटी, हेल्थकेयर, फार्मा, रक्षा, रियल एस्टेट, रिन्यूएबल एनर्जी और स्टार्टअप्स सहित कई क्षेत्रों की कंपनियां भाग लेंगी।

जुलाई 2025 : गडकरी ने कहा था- जब तक स्वस्थ, काम करेंगे

जुलाई 2025 में एक न्यूज चैनल के इंटरव्यू में जब गडकरी से पूछा गया कि क्या वे 75 साल की उम्र के बाद रिटायरमेंट लेंगे, तो उन्होंने कहा कि जब तक स्वस्थ हैं और अच्छा काम कर सकते हैं, तब तक काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा– जब लगे कि छोड़ देना चाहिए, तब छोड़ देंगे।

इंदौर में कोहली का शतक भारत 41 रन से हारा

- **न्यूजीलैंड ने इंडिया में पहली बार वनडे सीरीज जीती**
- **डेरिल मिचेल का शतक**

न्यूजीलैंड ने भारत में पहली बार वनडे सीरीज जीत ली है। टीम ने रविवार को इंदौर में खेले गए तीसरे वनडे मैच में मेजबानों को 41 रन से हराया। इतना ही नहीं, भारतीय टीम होलकर स्टेडियम में पहला मैच हारी है।

338 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम 46 ओवर में 296 रन पर ऑलआउट हो गई। विराट कोहली ने 108 बॉल पर 124 रन की शतकीय पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

न्यूजीलैंड की ओर से क्रिस्टियन क्लार्क और जैक फॉल्क्स 3-3 विकेट झटके। डेरिल मिचेल ने 137 और ग्लेन फिलिप्स ने 106 रनों की शतकीय पारियां खेलीं। दोनों ने 219 रन की साझेदारी भी की।

टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड ने 8 विकेट खोकर 337 रन बनाए थे। शतक बनाने वाले डेरिल मिचेल प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज चुने गए।

एक साझेदारी, जो गेम चेंजर साबित हुई

टॉस हारकर बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने 58 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने चौथे विकेट के लिए 188 बॉल पर 219 रन की साझेदारी की।

कोहली का शतक भी जीत नहीं दिला सका

रन चेज में भारतीय टीम ने औसत शुरुआत की। टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। ऐसे में कोहली एक छोर से अड़े गए। उन्होंने 108 बॉल पर 10 चौके और 3 छक्कों से सजी 124 रन की शतकीय पारी खेली।

कोहली ने नीतीश रेड्डी (53 रन) और हर्षित राणा (52 रन) के साथ दो अर्धशतकीय साझेदारियां की। लेकिन, अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकी।

प्रतीक यादव पत्नी अपर्णा यादव से तलाक लेंगे

अपर्णा के लिए इंस्टाग्राम पर लिखा- स्वार्थी महिला ने मेरा परिवार बर्बाद कर दिया

पटना. मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक अपनी पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा यादव से तलाक लेंगे। प्रतीक ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपर्णा से रिश्ते खत्म करने का ऐलान किया। उन्होंने लिखा-

मैं इस स्वार्थी औरत से जल्द से जल्द तलाक लेने जा रहा हूं। इसने मेरे पारिवारिक रिश्ते बर्बाद कर दिए। इसका एकमात्र लक्ष्य है मशहूर और प्रभावशाली बनना। इस समय मेरी मानसिक स्थिति बहुत खराब है। इसे कोई परवाह नहीं। इसे सिर्फ अपनी ही चिंता है। मैंने कभी ऐसी बुरी आत्मा नहीं देखी। मेरा दुर्भाग्य था कि मैंने इससे शादी की।

अपर्णा इस वक्त भाजपा में हैं, और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। प्रतीक (38) ने अपर्णा (36) से 14 साल पहले लव मैरिज की थी। प्रतीक मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे हैं। यानी अखिलेश यादव के सौतेले भाई। अपर्णा ने 2022 विधानसभा चुनाव से पहले अचानक सपा छोड़कर भाजपा जॉइन की थी।

अचानक तलाक की नौबत कैसे आई?

सूत्रों के मुताबिक, प्रतीक ने खुलेआम तलाक का ऐलान जरूर किया है। लेकिन दोनों के रिश्तों में खटास 3 साल पहले यानी 2022 से आ गई थी, जब प्रतीक की मर्जी के खिलाफ अपर्णा ने अचानक भाजपा जॉइन कर ली थी। प्रतीक ने 5 फरवरी 2025 को भी अपर्णा के खिलाफ सोशल मीडिया पर 3 पोस्ट किए थे, लेकिन बाद में उसे डिलीट कर दिया। उन्होंने लिखा था-

अपर्णा ने उनकी जिंदगी नरक बना दी। सबूत के साथ सभी को इस बारे में बताएंगे।

अपर्णा ने मेरी जिंदगी नरक बना दी।

अपर्णा की सच्चाई और अतीत मेरे अलावा कोई नहीं जानता। इसका साथ मत दीजिए। ये जो भी करती है पैसे और पावर के लिए करती है।

ओडिशा में गोमांस बेचने की फैली अफवाह

- **भीड़ ने दुकान में की तोड़फोड़,**
- **गाड़ी को लगाई आग**

सुंदरगढ़. ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में गोमांस बेचने की अफवाह से हिंसक झड़प हो गई। रीजेंट मार्केट में मांस की दुकान और एक व्यक्ति के घर पर बीफ होने की बात फैली। इसके बाद बजरंग दल के सदस्यों सहित भीड़ ने दुकान में तोड़फोड़ की, पिकअप वैन को आग लगा दी और कुछ वाहनों को क्षति पहुंचाई। विवाद तेजी से बढ़ा और दो समुदायों के बीच पथराव व हथियारों का इस्तेमाल होने लगा। रिपोर्ट के मुताबिक, झड़प में 12 से 20 लोग घायल हुए, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और दोनों पक्षों को तितर-बितर किया, जिससे कोई बड़ी दुर्घटना टल गई। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शहर में धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी और भारी पुलिस बल तैनात किया है। घटना के बाद जिला प्रशासन ने अफवाहों और भ्रामक संदेशों के प्रसार को रोकने के लिए 24 घंटे के लिए पूरे सुंदरगढ़ में इंटरनेट और सोशल मीडिया सेवाएं निलंबित कर दीं। कलेक्टर सुभंकर मोहपात्रा ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर सभी स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान शुक्रवार को बंद हैं। दुकानों को भी बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

इलाके में अभी तक तनाव

पश्चिमी रेंज के डीआईजी बीरजेश राय ने कहा कि पुलिस ने संवेदनशीलता से स्थिति को नियंत्रित किया और बड़े नुकसान से बचा लिया गया। अभी तक कोई गंभीर चोट या मौत की सूचना नहीं है, लेकिन तनावपूर्ण माहौल बरकरार है। फिलहाल, सुंदरगढ़ शहर में कड़े प्रतिबंध जारी हैं और पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने शांति समिति गठित करने और आगे की कार्रवाई पर चर्चा करने की योजना बनाई है। लोगों से शांति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की गई है।

बम ब्लास्ट से दहला काबुल, 7 की मौत, 13 घायल

काबुल. अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सोमवार को एक भीषण विस्फोट हुआ। इस विस्फोट में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है और 13 घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। बताया गया कि यह धमाका शहर-ए-नव इलाके में एक होटल में हुआ, जो विदेशी नागरिकों के ठहरने का प्रमुख स्थान है और काबुल के सबसे सुरक्षित इलाकों में से एक माना जाता है। तालिबान के गृह मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है।

प्रवक्ता खालिद जादरान ने कहा कि शहर-ए-नाउ जिले के एक होटल में विस्फोट हुआ, जिसमें कई लोग हताहत हुए हैं।

हाथी ने सूंड में जकड़कर गाड़ी से बाहर निकाला, फिर कुचलकर मार डाला

बोकारो. झारखंड में बहुत ही दर्दनाक घटना सामने आई है। जंगली हाथी ने एक युवक को गाड़ी से खींचकर कुचलकर मार डाला। घटना के बाद राहगीरों में दहशत का माहौल है। वहीं, राज्य के पश्चिमी सिंहभूम जिले के कई गांवों में लोग एक हमलावर हाथी से बचने के लिए छतों पर सो रहे हैं। इस हाथी ने अब तक 20 लोगों की जान ले ली है।

झारखंड में बोकारो जिले के गोमिया थाना क्षेत्र के कंडेर गांव के पास रविवार रात को जंगली हाथियों ने एक युवक को कार से

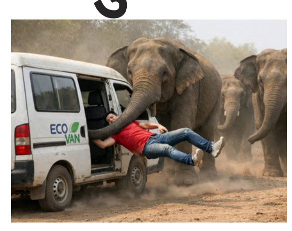

खींचकर बुरी तरह कुचलकर मार डाला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक रविंद्र सब्जी विक्रेता था। हाथियों ने सिमराबेड़ा महतो टोला के पास सड़क पर ओमनी कार से जा रहे युवक को खींचकर बाहर निकाला और घसीट कर खेत में ले जाकर कुचलकर मार डाला।

सब्जी बेचकर गांव जा रहा था

सूत्रों ने बताया कि हर रोज की तरह रविंदर रामगढ़ से सब्जी बेचकर कंडेर गांव जा रहा था। इस दौरान उसके साथ यह घटना घटी। इसके पूर्व सिमराबेड़ा के पास ग्रामीणों ने उसे आगे नहीं जाने की सलाह दी थी, लेकिन वह नहीं माना। घटना के बाद राहगीरों में दहशत का माहौल है। जिले में हाथियों का आतंक है, फिर भी वन विभाग के अधिकारी ऐसी घटनाओं को रोकने पर सकारात्मक पहल नहीं कर पा रही है।

संक्षेप...

अंधेरी से चेंबूर और ठाणे तक खुलेगी नई लाइन

मुंबई. मुंबई महानगर क्षेत्र में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से लाखों यात्रियों को बड़ी राहत मिलने वाली है। साल 2026 में कई अहम मेट्रो लाइनों के उद्घाटन की उम्मीद है, जिससे सड़क यातायात पर दबाव कम होगा और पूर्वी-पश्चिमी व उत्तर-दक्षिण कनेक्टिविटी मजबूत होगी। खास तौर पर मेट्रो लाइन 2B, 4A और 7A को मुंबई और ठाणे के ट्रैफिक संकट का गेमचेंजर माना जा रहा है।

मुंबई मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से लोगों को सार्वजनिक परिवहन का सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। इससे लोकल और सड़कों पर भारी ट्रैफिक दबाव को नियंत्रित करने में भी प्रशासन को सुविधा मिलेगी। मुंबई और उपनगरीय इलाकों में कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिहाज से यह अहम प्रोजेक्ट है।

- मेट्रो लाइन 2B का पहला चरण अंधेरी पश्चिम से डायमंड गार्डन (चेंबूर) के बीच प्रस्तावित है। इस रूट की कुल लंबाई लगभग 23.6 किलोमीटर होगी और इसमें करीब 17 से 18 स्टेशन शामिल होंगे।

कौन होगा मुंबई का नया महापौर?

- BJP की जीत के बाद 5 चेहरों पर चर्चा
- अब फडणवीस पूरा करेंगे चुनावी वादा

बीएमसी मेयर पद के लिए इन 5 नामों पर

1. तेजस्वी घोसालकर : दहिसर (वार्ड नंबर 2) से 10,000 से अधिक वोटों से जीत दर्ज करने वाली तेजस्वी इस समय बीजेपी की सबसे बड़ी 'पोस्टर गर्ल' हैं. उन्होंने उद्धव गुट के गढ़ में सेंध लगाई है. वह युवा हैं, शिक्षित हैं और मुख्यमंत्री के 'मराठी-हिंदू' फॉर्मूले में पूरी तरह फिट बैठती हैं.

2. प्रकाश दरेकर : विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष प्रवीण दरेकर के भाई प्रकाश दरेकर ने वार्ड नंबर 3 से शानदार जीत हासिल की है. दरेकर परिवार का मुंबई और विशेषकर उत्तर-पश्चिम मुंबई के मराठी वोट बैंक पर जबरदस्त प्रभाव है. उनके पास प्रशासनिक अनुभव भी है, जो उन्हें मेयर पद का प्रबल दावेदार बनाता है.

3. प्रभाकर शिंदे : बीएमसी में बीजेपी के पूर्व गुट नेता प्रभाकर शिंदे पार्टी के सबसे अनुभवी पार्षदों में से एक हैं. उन्हें नगर निगम के कामकाज और नियमों की गहरी समझ है. 'मराठी चेहरा' होने के साथ-साथ अनुभवी होने के कारण वह मेयर की कुर्सी के लिए सुरक्षित विकल्प माने जा रहे हैं.

4. मकरंद नार्वेकर : विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के भाई मकरंद नार्वेकर दक्षिण मुंबई के एक रसूखदार नाम हैं. वह लगातार जीतते आ रहे हैं और कोलाबा क्षेत्र में उनकी पकड़ बहुत मजबूत है. हालांकि वह 'मराठी' वर्ग से आते हैं, लेकिन उनकी छवि एक आधुनिक और विकासवादी नेता की है, जिसे बीजेपी भुनाना चाहेगी.

5. राजश्री शिरवाडकर : वार्ड नंबर 172 से जीतने वाली राजश्री शिरवाडकर बीजेपी की एक निष्ठावान और आक्रामक मराठी महिला चेहरा हैं. अगर पार्टी किसी महिला को मेयर बनाने का फैसला करती है (आरक्षण के आधार पर), तो राजश्री का नाम सबसे ऊपर होगा. वह स्थानीय मुद्दों पर काफी सक्रिय रहती

मुंबई. बीएमसी (BMC) चुनाव के नतीजों ने मुंबई की राजनीति की पूरी तस्वीर बदल दी है. भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने इस महाजंग में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर देश की सबसे अमीर महानगर पालिका पर अपना परचम लहरा दिया है.

इस बड़ी जीत के साथ ही अब सबकी नजरें इस सवाल पर टिकी हैं कि मुंबई का अगला मेयर कौन होगा? चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बेहद प्रभावशाली और रणनीतिक बयान दिया था कि "मुंबई का अगला मेयर हिंदू और मराठी होगा." अब जब नतीजे बीजेपी के पक्ष में आए हैं, तो फडणवीस का यह वादा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि बीजेपी के लिए एक बड़ी चुनौती और अवसर बन गया है.

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि स्थानीय पहचान और क्षेत्रीय गौरव को बढ़ावा देना कोई संकीर्ण राजनीति नहीं बल्कि संवैधानिक अधिकार है. बीएमसी (BMC) चुनाव 2026 के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (BJP) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के "मेयर हिंदू और मराठी होगा" वाले बयान के बाद, पार्टी के भीतर उन चेहरों की चर्चा तेज हो गई है जो इस कसौटी पर खरे उतरते हैं.

शिवसेना की इमेज खराब न हो, इसका ध्यान रखें

एकनाथ शिंदे ने नवनिर्वाचित नगरसेवकों से की बातचीत

मुंबई. अपनी पावर का इस्तेमाल अपने वार्ड के डेवलपमेंट के लिए करें, लेकिन कॉर्पोरेटर के तौर पर काम करते समय आपके कामों से पार्टी की इमेज खराब नहीं होनी चाहिए। शिवसेना की इमेज खराब न हो, इसका ध्यान रखें। वार्ड में सभी के साथ न्याय करें, ऐसा डिप्टी चीफ मिनिस्टर और शिवसेना चीफ लीडर एकनाथ शिंदे ने रविवार को अपने कॉर्पोरेटर्स को आदेश दिया।

शिंदे ने बांद्रा के ताज लैंड्स एंड होटल में मुंबई मनपा में शिवसेना के नए चुने गए कॉर्पोरेटर्स को गाइड किया। इस समय पार्टी जनरल सेक्रेटरी राहुल शेवाले, सेक्रेटरी संजय मोरे, स्पोक्सपर्सन मिसेज शीतल म्हात्रे, राहुल लोंढे मौजूद थे। मनपा में काम करते समय अपने वार्ड में तुरंत और लंबे समय के हिसाब से काम की प्लानिंग करें। अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं, तो हर नागरिक के साथ, चाहे उन्होंने वोट दिया हो या नहीं, बराबर न्याय के साथ काम करें और राजनीतिक विरोधियों को साथ लेकर चलें, शिंदे ने निर्देश दिया।

कॉर्पोरेटर्स के काम से शिवसेना की इमेज साफ, भरोसेमंद और लोगों को ध्यान में रखकर बनी रहनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हमारे काम का असली पैमाना यह नहीं होना चाहिए कि लोगों के मन में पार्षदों के बारे में एक भी गलत सोच हो। हमारे वार्ड में ऐसा बदलाव होना चाहिए जिसे लोग देख सकें। हमने जो काम किया है, वह लोगों को दिखना चाहिए। हर पार्षद को इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि हमारी तरफ से ऐसा कोई काम न हो जिससे शिवसेना की इमेज खराब हो। उन्होंने उम्मीद जताई कि सफाई को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता देकर पूरे वार्ड का विकास किया जाना चाहिए।

सुबह उठकर देखें कि आपके वार्ड में सफाई हुई है या नहीं। अगर कोई गड्ढे हैं, तो उन्हें तुरंत ठीक करवाएं। कचरा जमा नहीं दिखना चाहिए, नालियों में कचरा जाम नहीं होना चाहिए। पूरा वार्ड चमकदार और साफ दिखना चाहिए, उन्होंने साफ कहा। उन्होंने सलाह दी कि अपने वार्ड में 'डीप क्लीन ड्राइव' जैसे एक्सपेरिमेंट करें और पूरे सिस्टम का इस्तेमाल करके वार्ड को साफ रखें।

चुनाव जीतने वाले सभी पार्षदों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस बार 19 'प्यारी बहनें' जीती हैं। हारे हुए कैंडिडेट निराश न हों और अपने वार्ड में शिवसेना का काम जारी रखें।

श्री तुलसी हिंदी माध्यमिक विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में वार्षिक

खेल प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

ठाणे. श्री तुलसी हिंदी माध्यमिक विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर 200 से अधिक छात्र-छात्राओं को उनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ।कार्यक्रम में संस्था के मैनेजिंग ट्रस्टी माणिकलाल जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने मार्गदर्शनपूर्ण संबोधन में कहा कि जीवन में खेलों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। खेलों से न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि खेल में हार-जीत स्वाभाविक है, हार मिलने पर निराश न होकर उससे सीख लेते हुए पुनः प्रयास करना ही सच्ची सफलता की ओर ले जाता है।इसके पश्चात नवीन कुमार पाण्डेय, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि जीवन में आगे बढ़ना है तो निरंतर प्रयास करते रहना ही जीवन का मूल मंत्र है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप पूरी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा की तैयारी करें। संस्था सदैव आपके साथ खड़ी है और खेलकूद हो या पढ़ाई, पैसों की कोई भी बाधा विद्यार्थियों की प्रगति में आड़े नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य अमित कुमार सिंह ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेलों में भागीदारी से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है, साथ ही अब बोर्ड परीक्षाएं निकट हैं, इसलिए सभी विद्यार्थी पूरी लगन से पढ़ाई में जुट जाएँ और सफलता प्राप्त करें।

भिवंडी में BJP विधायक व पूर्व महापौर के समर्थकों में झड़प

भाजपा विधायक बोले- बच्चों को पीटा, ऑफिस पर पथराव; मनपा चुनाव के नतीजों के बाद तनाव

भिवंडी. भिवंडी में रविवार को नगर निगम चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा और कोणार्क विकास आघाड़ी (KVA) के समर्थकों के बीच झड़प हो गई। विवाद छत्रपति शिवाजी महाराज चौक के पास हुआ। दोनों पक्षों के बीच पथराव भी हुआ। पुलिस के मुताबिक, झड़प BJP विधायक महेश चौघुले और KVA नेता और पूर्व मेयर विलास पाटिल के समर्थकों के बीच हुई। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं को तितर-बितर किया। डीसीपी जोन-2 शशिकांत बोराटे ने बताया कि दो नेताओं के समर्थकों के बीच झड़प हुई थी। पुलिस ने हस्तक्षेप कर भीड़ को हटाया। फिलहाल स्थिति पूरी तरह कंट्रोल में है।

BJP विधायक महेश चौघुले ने आरोप लगाया कि KVA अध्यक्ष विलास पाटिल अपने इलाके में किसी को घुसने नहीं देना चाहते। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म हो चुके हैं। कल कुछ गरीब बच्चों पर हमला किया गया था। आज शाम करीब 5 बजे दो बच्चों को पीटा गया। इसके बाद मेरे कार्यालय पर पथराव हुआ। पुलिस और मेरे समर्थकों पर भी हमला किया गया। पुलिस ने समय पर हालात संभाले।

महेश चौघुले ने बताया कि वे पुलिस थाने पहुंचे हैं। अब देखेंगे कि पुलिस इस मामले में क्या कार्रवाई करती है।

भिवंडी में कांग्रेस के 30 पार्षद जीते

भिवंडी-निजामपुर नगर निगम में कुल 90 सीटें हैं। कांग्रेस के सबसे ज्यादा 30 पार्षदों ने जीत हासिल की। भाजपा को 22 सीटें मिलीं, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) और NCP (शरद पवार गुट) को 12-12 सीटें हासिल हुईं। KVA ने 4 सीटें जीतीं हैं।

'सुंदरबागचा राजा' के माघी गणपति का भव्य आगमन

मुंबई. कुर्ला पश्चिम स्थित युवा प्रतिष्ठान, सुंदरबाग की ओर से माघी गणपति के भव्य आगमन का समारोह अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। भक्तिमय वातावरण में ढोल-ताशों की गूंज और जयघोष के बीच श्री गणराय का भव्य स्वागत किया गया। इस पावन अवसर का शुभारंभ मंडल के प्रमुख सलाहकार एवं सूचना का अधिकार (RTI) कार्यकर्ता अनिल गलगली के करकमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर रियाज़ मुल्ला, रत्नाकर शेट्टी और अज़ीज़ खान की विशेष उपस्थिति रही। मंडल की कार्यकारिणी में अध्यक्ष शुभम कांबले, कोषाध्यक्ष दीपक गायकवाड़, सचिव समीर नाजरकर, उपाध्यक्ष अक्षय व्हटकर, उप-कोषाध्यक्ष महेश कचवे, तथा उप-सचिव अनिरुद्ध पुजारी और रमेश कुरिल शामिल हैं। युवा प्रतिष्ठान की ओर से सामाजिक उपक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भक्तों के लिए विभिन्न सेवाओं का आयोजन किया जाएगा। माघी गणपति उत्सव को शांति, भक्ति और एकता के वातावरण में मनाया जा रहा है।

इंडियन रबर कंपनी के कामगारों को 28 साल बाद मिली राहत

ठाणे. इंडियन रबर कंपनी के कामगारों को 28 साल बाद राहत मिलने की संभावना है।विधायक संजय केलकर ने बताया कि कंपनी की ज़मीन एक क्लस्टर के लिए लिए जाने के बाद से कामगारों को कंपनी से सहानुभूति के तौर पर आर्थिक मदद मिले, इसके लिए हमारी कार्रवाई चल रही है और आयुक्त ने भी पॉज़िटिव रुख अपनाया है।ठाणे मनपा चुनाव के बाद, विधायक संजय केलकर का जनसेवक जनसंवाद कार्यक्रम खोपट में भाजपा कार्यालय में फिर से शुरू हो गया है और कई नागरिकों ने अपनी शिकायतें दीं। कार्यक्रम में इंडियन रबर कंपनी के कामगार भी मौजूद थे। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए केलकर ने बताया कि कामगारों को राहत मिलने के मामले में पॉज़िटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। केलकर ने कहा,कामगारों को पिछले 28 सालों से पेमेंट नहीं मिला है। कामगार आयुक्त के साथ मीटिंग करके बातचीत की गई है।हालांकि कोर्ट में केस हारने के बावजूद भी कामगारों को पेमेंट दिलाने के लिए बातचीत चल रहा है।इस अवसर पर नवनिर्वाचित नगरसेवक सीताराम राणे, नगरसेवक विकास पाटिल, नगरसेवक सुरेश कांबले, नगरसेवक वैभव कदम, नगरसेविका उषा वाघ के साथ योगेश भंडारी, राजेश गाडे, शेखर पाटिल आदि मौजूद थे।

चुनाव इ्यूटी के बाद मात्र 350 रुपये भत्ता दिए जाने से

भिवंडी की आशा कार्यकर्ताओं में नाराजगी

भिवंडी. भिवंडी महानगरपालिका चुनावों के लिए, शहर के स्वास्थ्य केंद्रों से जुड़ी 343 आशा कार्यकर्ताओं को प्रत्येक मतदान केंद्र पर कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया था। आशा कार्यकर्ता सुबह 7 बजे से ही शहर के विभिन्न मतदान केंद्रों पर ड्यूटी के लिए मौजूद थीं। शाम 6 बजे मतदान समाप्त होने के बाद, इन आशा कार्यकर्ताओं को दैनिक भत्ता लेने के लिए महानगरपालिका मुख्यालय बुलाया गया, और उन्हें मतदान भत्ते के रूप में केवल 350 रुपये ही दिए गए। जिससे आशा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस पर नाराजगी भारी प्रतिक्रिया देते हुए आशा कार्यकर्ताओं ने कहा, हम सभी अपने घरों से रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय और मतदान केंद्र तक जाने के लिए रिक्शा के किराए पर बहुत पैसा खर्च किया ताकि हम अपना वोट डालने का कर्तव्य निभा सकें। दिन भर हमें खाने-पीने की भी दिक्कत हुई और शाम को हमें भत्ते के तौर पर सिर्फ साढ़े तीन सौ रुपये दिए गए, जो हमारे साथ मजाक है।

अच्छा-खराब जो हूं डंके की चोट पर हूं -पवन सिंह

- धनश्री संग वायरल हुआ था डांस, बने TRP किंग

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह कुछ वक्त पहले राइज एंड फॉल शो में नजर आए थे. जहां उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं, वो इस शो से टीआरपी किंग भी कहलाए थे. शो में पवन सिंह की धनश्री वर्मा के साथ केमिस्ट्री की भी खूब तारीफ हुई. दोनों के खूब क्लिप्स वायरल हुए, उन्होंने एक्ट्रेस के साथ राजाजी के दिलवा गाने पर फिनाले में डांस भी किया था. जिसे फैंस ने खूब पसंद किया था.

धनश्री के नाम से किनारा कर गए पवन?

जब पवन सिंह से लल्लनटॉप के बिहार अड्डा मंच पर इस बारे में सवाल में किया गया तो वो कुछ सोचने लगे. फिर थोड़ा रुककर बिना धनश्री का नाम लिए उन्होंने अपनी बात कही. पवन ने शो से अपने एक्सपीरियंस को याद करते हुए बताया कि कैसे उन्हें एडजस्ट करने में थोड़ा समय लगा था.

पवन सिंह बोले- राइज एंड फॉल मैंने शो किया. मुझे लगता है कि पवन सिंह अपनी रियल लाइफ जिंदगी में क्या है वो आप सभी को दिखा. मैं अच्छा हूं, खराब हूं, जो भी हूं जैसा हूं, डंके की चोट पर हूं. मुझे भी उस घर में बहुत अच्छा लगा. पहले तो जब एंट्री किया तो उसके दो-ढाई घंटे के बाद लगा सांस ही रुक जाएगी. अब हवा को कोई कैद करेगा... तो क्या होगा. लेकिन धीरे-धीरे समझ आने लगा. राइज एंड फॉल शो में मैं था और जितने भी सदस्य थे, वो सारे मेरे दोस्त थे.

'मुझे लगता है मेरे खिलाफ कोई नहीं बोला, और इसके बाद मैं क्या हूं वो तो आप लोगों ने देखा ही. इसके बाद पवन ने चिल्लाकर लोगों से पूछा कि किस-किस ने राइज एंड फॉल देखा है, तो सभी ने हां में जवाब दिया. रिस्पॉन्स देख पवन कहते हैं- वाह.'

बीजेपी भविष्य में बड़ी छलांग लगाएगी -विधायक केलकर

ठाणे. बीजेपी ने शिवसेना के साथ गठबंधन में सिर्फ़ 39 सीटों पर चुनाव लड़कर और 28 सीटों पर बिना किसी रुकावट के जीतकर ठाणे में 75 परसेंट का अच्छा बढ़त हासिल किया। साथ ही दो राजनीतिक पार्टियों के अध्यक्षों को हराकर ऐसी स्थिति बना दी कि विपक्ष नज़र नहीं आएगा। पूरे महाराष्ट्र में ऐसी सुनामी आई कि बीजेपी को पिछले 40 सालों में ऐसी सफलता नहीं मिली थी, उसका वोट बैंक इतना बढ़ गया है, इसलिए बीजेपी भविष्य में बड़ी छलांग लगाएगी। यह विश्वास जताते हुए विधायक केलकर ने कहा, ?हम साथ लड़े थे, इसलिए हमें साथ रहना है, लेकिन इसे कंट्रोल करने के लिए हमें एक फ़ोर्स की ज़रूरत है ताकि समय आने पर हम अलग तरह से सोच सकें।विधायक केलकर ने यह संकेत भी दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में, विधायक संजय केलकर, चुनाव प्रभारी विधायक निरंजन डावखरे और भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप लेले के नेतृत्व में भाजपा ने ठाणे महानगरपालिका के आम चुनावों में शानदार जीत हासिल की। इस बारे में जानकारी देने के लिए शनिवार को वर्तकनगर में भाजपा मंडल कार्यालय में सभी विजेता नगरसेवकों के साथ एक पत्रकार परिषद आयोजित की गई। इस अवसर पर दोनों विधायकों के साथ भाजपा की प्रदेश महासचिव माधविताई नाइक और सभी नवनिर्वाचित नगरसेवक उपस्थित थे। चुनाव प्रभारी विधायक डावखरे ने कहा कि ठाणे के 17 वार्डों में 39 जगहों पर चुनाव लड़ा गया था। ठाणे के हर विधानसभा क्षेत्र में कमल खिल रहा है। मुंब्रा में 7 सीटें, राबोडी में 3 सीटें और कलवा डोंगरपट्टा में एक सीट थी। पांच मंडल अध्यक्ष और तीन पूर्व मंडल अध्यक्षों में से आठ लोगों को टिकट दिया गया। पार्टी ने विशाल वाघ जैसे कार्यकर्ता की पत्नी को मैदान में उतारा। 2017 में हमारे पास 23 सीटें थीं, जिनमें से बीजेपी ने पांच जीती हैं। नए चेहरों को मौका देना ऑर्गनाइज़ेशन स्किल की कामयाबी बताते हुए विधायक डावखरे ने भरोसा दिलाया कि हम बीजेपी के रेज़ोल्यूशन में किए गए वादों को पूरा करेंगे। सिर्फ़ अमीर ही नहीं चुने जाते, बल्कि काम के मामले में गरीब मज़दूरों को भी इस बार मौका मिला, यह डेमोक्रेसी के हिसाब से एक बड़ा मैसेज है। हमने ठाणे में 100 पार कर लिया है। ऐसी कामयाबी पिछले 40 सालों में नहीं मिली थी। ठाणे समेत एमएमआर इलाके में बीजेपी नंबर वन है। कई बागी कामयाब नहीं हुए, क्योंकि वोटर समझदार हैं।

शील से वडवली तक बीजेपी बढ़ी -संदीप लेले

ठाणे मनपा चुनाव में मिली ज़बरदस्त सफलता के बाद बीजेपी के ज़िला अध्यक्ष संदीप लेले ने कहा है कि बीजेपी ने ठाणे में चंदा से बंदा तक, एक नंबर वडवली से शील तक यह हासिल किया है। ठाणे में बीजेपी के 12 उम्मीदवार पहली बार मैदान में थे, जबकि बाकी 16 रिपीट थे। कोपरी-पाचपखाड़ी विधानसभा क्षेत्र में चार थे, और ठाणे शहर विधानसभा क्षेत्र में 18 थे, लेकिन अब 21 हैं। ओवला-माजीवाड़ा में केवल एक था, अब 4 हैं। कलवा-मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र में, शून्य था, अब शील वार्ड 29 में एक भाजपा उम्मीदवार चुना गया है। जिला अध्यक्ष के रूप में यह मेरा तीसरा कार्यकाल है, पहली बार यह 4 था, फिर यह 8 हो गया, 2017 में यह 8 हो गया, और अब यह 23 है। इस तरह, भाजपा शील से वडवली तक बढ़ गई है।

उल्हास वि NEWS LIVE
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe

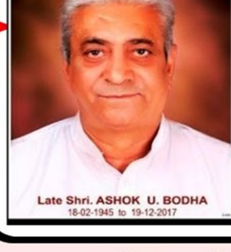
Late Shri. ASHOK U. BODHA
18-02-1945 to 19-12-2017

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

Staff Required
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT & For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT : MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099